कोविड–19 के कारण प्रयागराज के पर्यटन उद्योग पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव का अध्ययन

डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] **अमित पाण्डेय[2]**

सारांशः

वर्तमान समय में कोविड–19 के कारण विभिन्न क्षेत्रों पर सामाजिक एवं आर्थिक और राजनीतिक आदि प्रभाव भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व पर दिखाई दे रहा है। इसलिए अनुसंधानकर्ता ने कोविड–19 के कारण प्रयागराज के पर्यटन उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन आरम्भ किया। इसमें अनुसंधानकर्ता ने पूर्व में आए वैश्विक महामारी का पर्यटन उद्योग के क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया। उसके साथ ही उस अध्ययन के आधार पर कोविड–19 जैसी वैश्विक महामारी का प्रयागराज के आर्थिक क्षेत्रों पर विशेष कर पर्यटन और उस पर आधारित उद्योगों पर क्या प्रभाव डालेगा और इस प्रभाव को कैसे कम किया जा सकता है। इन्हीं सब बिंदुओं पर अनुसंधानकर्ता ने चर्चा किया है।

मुख्य बिन्दुः पर्यटन उद्योग, कोविड–19, आर्थिक प्रभाव, सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव

[1] प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, समता स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाज़ीपुर
[2] शोध छात्र, भूगोल विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

© 2023 by The Author(s). CC BY ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]

Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

परिचयः

अंग्रेजी शब्द Tourism का उद्‌भव आधुनिक है। और इसका सम्बन्ध 'Tour' से है। जो कि लैटिन भाषा के शब्द 'Tornos' से लिया है। जिसका अर्थ एक औजार से है जो एक पहिये की भाँति गोलाकार होता है। इसी शब्द का प्रयोग आधुनिक समय में लोग यात्रा के लिए करते हैं। संस्कृत साहित्य में पर्यटन के लिए तीन शब्दों का प्रयोग किया जाता है। ये तीन शब्द है।

अ. **पर्यटन** – आराम एवं ज्ञान के प्राप्ति के लिए यात्रा।

ब. **देशाटन** – विभिन्न देशों में मुख्यतः आर्थिक लाभ के लिए यात्रा करना।

स. **तीर्थाटन** – धर्मार्थ कारणों से यात्रा करना।

पर्यटन के अन्तर्गत वे समस्त क्रियाए सम्मिलित है जो कि यात्रियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। कोई भी यात्रा पर्यटन हो सकती है। यदि वह अधोलिखित शर्ते पूरी करता है।

1. यात्रा सुस्थायी हो।
2. यात्रा ऐच्छिक हो।
3. यात्रा का अर्थ किसी प्रकार का पारिश्रमिक अर्जित करना नहीं होना चाहिए।

सैद्धान्तिक रूप में पर्यटन का अर्थ आराम एवं मनोरंजन की क्रिया से है। जिसके अन्तर्गत स्व अर्जित धन को पर्यटन क्षेत्रों में व्यय किया जाता है। पर्यटन में स्वेच्छा अनुसार धन एवं समय का प्रयोग करते हैं।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

ऐसे अस्थायी यात्रा जो पर्यटन स्थल पर 24 घंटें से कम समय के लिए ठहरते हैं। उन्हें सैलानी की संज्ञा दी जाती है। सैलानी के लिए DAY VISITOR और DAYTRIPPER शब्द का प्रयोग किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र जनगणना ब्यूरों ने 1963 में राष्ट्रीय यात्रा सर्वेक्षण के आधार पर 'ट्रिप' शब्द को पारिभाषित किया। इसमें ऐसी यात्रा को ट्रिप को गया है। जिसमें व्यक्ति अपने घर से कम से कम 100 मील दूर की यात्रा करता है और वापस लौट आता है।

1811 में पर्यटन शब्द तथा 1840 में पर्यटक शब्द का प्रथम बार प्रयोग किया गया है। 1936 में लीग ऑफ नेशन ने विदेशी पर्यटकों को ऐसे व्यक्तियों के रूप में पारिभाषित किया जो कम से कम 24 घंटें के लिए विदेश यात्रा करते हैं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1945 में इस परिभाषा में संशोधन कर अधिकतम 6 माह का प्रवास शामिल कर दिया।

ब्रिटेन की भी सन 1976 में पर्यटन की अवधारणा को स्पष्ट करने का प्रयास किया इसके अनुसार, ''पर्यटन व्यक्तियों द्वारा, जहां वे सामान्यतया रहते हैं, काम करते हैं, उन स्थानों के बाहर किसी गन्तव्य स्थल तक की गई अस्थायी एवं अल्पावधिक विचरण है जिसके अन्तर्गत वे गन्तव्य स्थल एक दिन या कई दिनों तक किसी भी उद्देश्य के लिए भ्रमण करते हैं।

लेपियर एन ने 1976 में 'पर्यटन का ढाँचा, पर्यटन अनुसंधान के इतिहास'' में पर्यटन भूगोल के तीन मूल घटक है–

(1) उत्पन्न क्षेत्र **(Generating Areas)**–विभिन्न देशों से आने वाले पर्यटकों के गृह स्थान को उत्पन्न क्षेत्र कहते हैं।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

(2) गंतव्य क्षेत्र **(Destination Areas)**–पर्यटन पर्यटन के लिए जिस क्षेत्र में जाते हैं उसे गंतव्य क्षेत्र कहते हैं।

(3) मार्ग **(Route)**–पर्यटक द्वारा पर्यटन के लिए उत्पन्न क्षेत्र तथा गंतव्य क्षेत्र के लिए यात्रा करने के लिए मार्गों को अपनाया जाता है।

पर्यटक, उत्पन्न क्षेत्र और गंतव्य क्षेत्र के बीच में सम्बन्धः

पर्यटक जाते समय
पर्यटन ——————————→ पर्यटन

उत्पन्न क्षेत्र ——————————→ गंतव्य क्षेत्र
पर्यटक जाते समय

लेपियर के अनुसार उत्पन्न क्षेत्र वह क्षेत्र होता है जहाँ से पर्यटक पर्यटन के लिए अपनी यात्रा प्रारम्भ करता है और समाप्त भी वही करता है।

A.K. Bhatia के अनुसार, ''पर्यटन का अस्तित्व अकेले नहीं है। इसमें कुछ घटक हैं, इनमें से तीन घटकों को आधारभूत माना जाता है।'' वे तीन घटक है–

1. यातायात–जो यात्रा को सम्पन्न करने में प्रयोग लाया जाता है।

2. स्थानीयता–इसका तात्पर्य भौगोलिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक पर्यावरण से है।

3. ठहरने का स्थान–इसे वर्तमान में आतिथ्य–सत्कार सम्बन्धी सुविधाओं का रूप में देखा जाता है। इसे सेवा उद्योग कहते हैं।

भारत में (1970) पर्यटन को निम्न रूप में परिभाषित किया–''एक व्यक्ति जो कि विदेश पार पत्र पर भारत की यात्रा पर कम से कम 24 घंटे और अधिक से अधिक छह मास के लिए आए, किन्तु उसका उद्देश्य देशान्तरवास और रोजगार करना न हो।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

वर्तमान समय में भारत उद्योग एक भारत में पर्यटन उद्योग उभरता हुआ उद्योग है। जो भारत के जीडीपी में 9.2% तथा 42.7 मिलीयन लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है। किसी भी राज्य के गरीबी कम करने तथा साथ ही साथ सामाजिक आर्थिक विकास में पर्यटन का विशेष योगदान होता है पर्यटन के द्वारा किसी स्थान पर उस स्थान के लोगों को सीधे तौर पर आर्थिक विकास में मद्द के साथ–साथ सांस्कृतिक का भी आपस में आदान–प्रदान होता है। इस तरह पर्यटन एक सकारात्मक प्रभाव डालता है किसी भी राज्य के आर्थिक की परिस्थिति पर इसके साथ ही साथ नए रोजगार के अवसर के साथ लोगों को पैसे कमाने के लिए नए अवसर मिलते हैं, पर्यटन के द्वारा वहां के लोगों को रहन–सहन के स्तर में विशेष बदलाव आता है। इसके साथ कुछ नकारात्मक पक्ष भी पर्यटन के साथ आते हैं जैसे कि उसी स्थान पर बहुत ज्यादा लोग रहने लगते हैं, भूमि का मूल्य बढ़ जाता है और पर्यावरण की भी हानि होती है लेकिन इसके बावजूद भी पर्यटन उद्योग आज के समय में सर्वाधिक सतत संपोषणीय विकास को मानते हुए सर्वाधिक अनुकूल उद्योग है। जनवरी 2020 से जब इस कोविड–19 वायरस का फैलाव धीरे–धीरे शुरू हुआ और भारत में फरवरी अंतिम और मार्च के शुरूआत 2020 में इसके प्रसार की संभावनाएं बढ़ती गई तो भारत सरकार ने लॉकडाउन की घोषणा की इस बीच इस पर्यटन उद्योग तथा इससे संबंधित अन्य उद्योगों पर आने वाले समय में बहुत ही ज्यादा प्रभाव पड़ने वाला है।

साहित्य समीक्षाः

आज से लगभग डेढ़ दशक पहले चीन में सार्स (सरवर एक्यूट रेस्पिरेट्री सिंड्रोम) का फैलाव हुआ था तब किसी प्रकार चीन तथा उसके पड़ोसी देशों पर भी इसका असर हुआ था। इसका प्रभाव जापान पर भी हुआ था, जापान में जब इसका प्रसार हुआ तो वहां के पर्यटन उद्योग में 24.3% का गिरावट हुआ था जो

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

कि अमेरिका में जब 9/11 का हमला हुआ था उसके बाद जापान के पर्यटन उद्योग में 9% गिरावट से भी ज्यादा था। इसके बाद जापान उद्योग को बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। कोविड–19 की तरह जब तक फैलाव हुआ था तो जापान के लोगों में अफवाहें, भय और डर का माहौल हो गया था और इस बीमारी का ना तो ठीक तरह से पहचान किया जा सकता था और ना ही कोई उपचार था जिसके कारण जापान के लोगों में डर का माहौल था। जब इस बीमारी को समाप्ति हुई, तो उद्योगों में बढ़ावा देने के लिए सरकार ने पहले उस स्थान पर प्रतिबंध लगा दिया जहां पर सार्स वायरस का फैलाव हुआ था। उसके बाद सरकार ने पर्यटन में बहुत सारी सुधार के कारण कुछ ही वर्षों में वहां का पर्यटन उद्योगों का विकास हो चुका था।

सार्स का फैलाव फरवरी 2002 में चीन के एक प्रान्त से हुआ। उसके बाद इसका असर चीन के पड़ोसी राज्यों हांगकांग पर पड़ा। जहा पर उस समय की आबादी लगभग 70 लाख थी तथा वहां पर सार्स के 1,755 मरीज मिले जिसमें से 299 लोगों की मृत्यु हो गई।

सार्स के कारण चीन तथा उसके पड़ोसी राज्य हांगकांग के पर्यटन उद्योग पर बुरा प्रभाव पड़ा। जिसके कारण वहां पर पर्यटन से जुड़े उद्योग जैसे–होटल उद्योग, हवाई यात्रा से संबन्धित उद्योग तथा अन्य तरह के उद्योगों की बहुत हानि हुई। इसका विवरण इस प्रकार है–

देश	**पर्यटन उद्योग के (जीडीपी%) में कमी**	**पर्यटन उद्योग के घटते रोज़गार**
हांगकांग	41	27,000
चीन	25	2.8 मिलियन
सिंगापुर	43	17,500

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

वियतनाम	15	63,000

सार्स के कारण हांगकांग के हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आया तथा इसके साथ ही साथ वहां के पर्यटन उद्योग से संबन्धित अन्य उद्योग में भारी गिरावट आया था।

उद्देश्य :

कोविड–19 के कारण भारतीय पर्यटन उद्योग पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव का अध्ययन।

प्रयागराज का स्थिति व विस्तार–

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

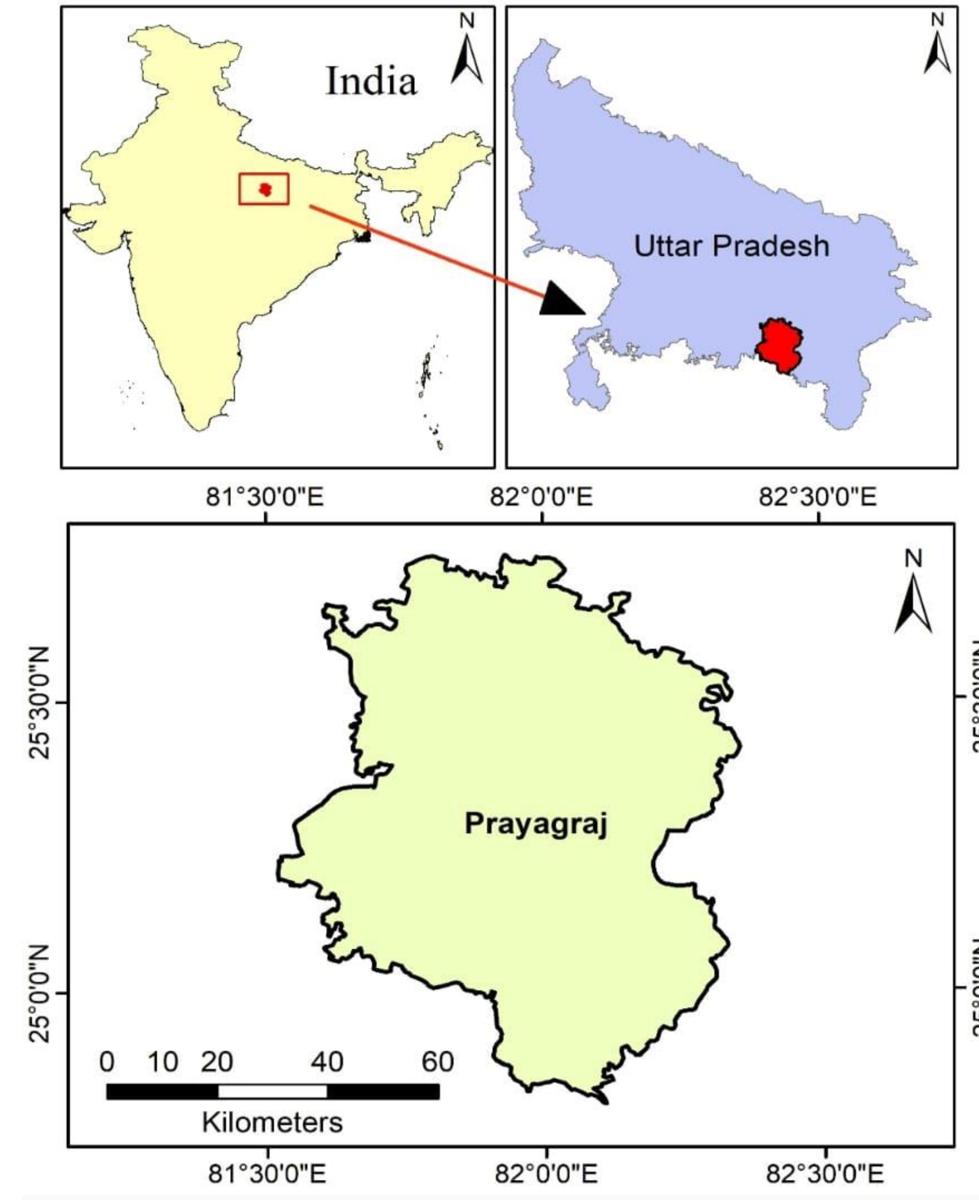

प्रयागराज का अक्षंशीय विस्तार $24^0 47'$ और $25^0 47'$ उत्तरी सीमा के बीच में है तथा देशान्तरीय विस्तार $81^0 19'$ और $82^0 21'$ देशान्तर के बीच में है।

उत्तर प्रदेश का पांचवा सबसे बड़ा जिला प्रयागराज है। इसकी उत्तरी सीमा प्रतापगढ़ और उ0पू0 सीमा जौनपुर जिले से लगा हुआ है। इसकी पूर्वी सीमा संत रविदास नगर (भदोही) और द0पू0 मिर्जापुर जिले से लगा है। इसकी

© 2023 by The Author(s). (cc) BY ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

पश्चिमी सीमा कौशाम्बी और द0प0 सीमा चित्रकूट जिले से लगा है। इसके साथ विश्लेषण और व्याख्या ही साथ इसकी दक्षिणी सीमा मध्य प्रदेश राज्य के रीवा जिले से लगी है।

विश्लेषण तथा व्याख्याः

भारतीय अर्थव्यवस्था के तिमाही भाग (2019–20) के जीडीपी अपने पिछले 6 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर रही उसके बाद कोविड–19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में एक नई चुनौती आ गई। प्रयागराज में 22 मार्च से 31 मई तक लॉकडाउन होने के कारण प्रयागराज में आर्थिक गतिविधियां रूक सी गई है। यह लॉकडाउन कई सतर पर किया गया है। इसके कारण प्रयागराज में नई–नई इन्वेस्टमेंट नहीं आ रहे हैं ना ही किसी वस्तु का उपभोग हो रहा है। भारतीय जीडीपी के तीन मुख्य कारक है, वह है–प्राइवेट सेक्टर, कनसम्प्शन, इन्वेस्टमेंट।

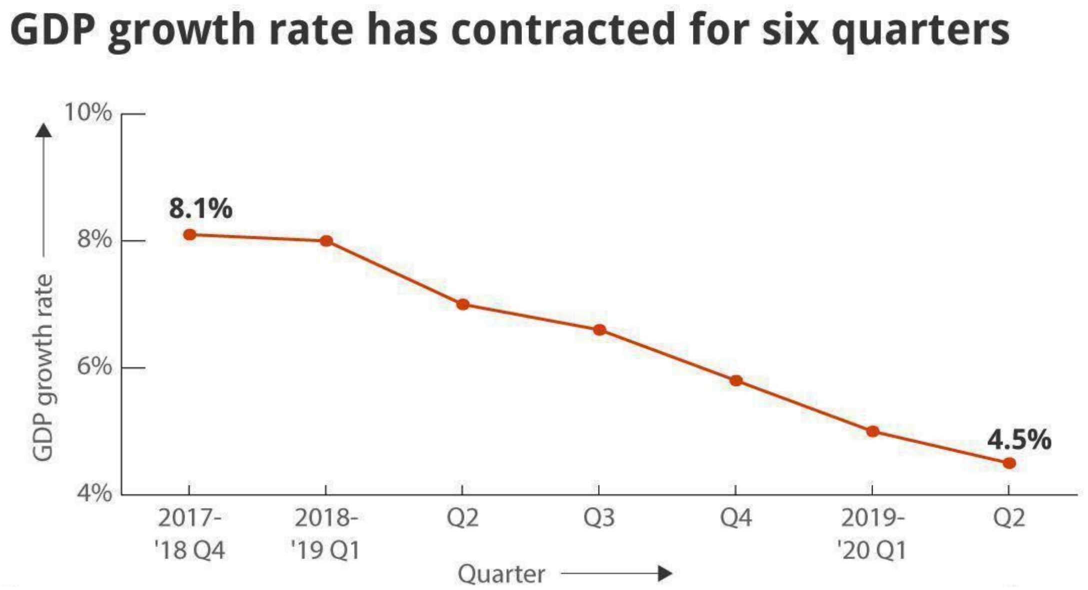

Fig :: 1

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

भारतीय अर्थव्यवस्था का चुनौती का सामना करने के कारण भारतीय पर्यटन उद्योग का बुरा हाल है। पर्यटन उद्योग से प्राइवेट उपभोग भी बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा।

उपभोग	**भाग (%)**
परिवहन	17.6
मनोरंजन और संस्कृति	0.8
रेस्तरा और होटल	2.2
विविध माल और सेवाएँ	17.2

भारतीय पर्यटन का जीडीपी में योगदान 9.2% (fy 2018) और रोजगार में 42.7 मिलीयन (2018–19) भारत सरकार पर्यटन के खर्च में INR25 बिलियन (2020–21) रखा है। भारत में पर्यटन एक उभरता हुआ उद्योग है इसके साथ ही साथ पर्यटन से जुड़े उद्योग यातायात, होटल और रेस्टोरेंट तथा विभिन्न प्रकार के उद्योगों के लिए जीवन रेखा की तरह काम करता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले कोविड का प्रभाव प्रयागराज के पर्यटन पर पड़ा। कोविड–19 के दौर में प्रयागराज में पर्यटन से सम्बन्धित सेवा क्षेत्रों में जैसे–होटलों, लाजो, गेस्ट हाउसों, पेइंग गेस्ट हाउस, होमस्टे आदि पर बुरा प्रभाव पड़ा इसके साथ ही साथ रेस्तरां, परिवहन और मनोरंजन संस्कृति उपभोग पर भी पड़ा है।

प्रयागराज में आने वाले पर्यटकों की संख्या में कोविड के बाद काफी गिरावट आयी है।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

प्रयागराज में आने वाले पर्यटकों की संख्या में

वर्ष	भारतीय पर्यटकों की संख्या	विदेशी पर्यटकों की संख्या	कुल
2016	4,11,46,674	1,09,571	4,12,56,245
2017	4,17,64,987	1,09,675	4,18,74,662
2018	4,46,68,662	1,46,805	4,48,15,467
2019	28,40,57,014	11,71,696	28,52,28,710
2020	3,18,67,069	66,689	3,19,33,758
2021	1,12,13,307	189	1,12,13,496

स्रोत उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, 2021

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से पता चलता है कि 2020 में प्रयागराज जाने वाले भारतीय तथा विदेशीय पर्यटकों की संख्या में तेजी से गिरावट आयी उसके बाद 2021 में पिछले कुछ वर्षों में सबसे कम पर्यटकों का आगमन हुआ। जिसका प्रभाव प्रयागराज के पर्यटन उद्योग पर बुरी तरह से पड़ा।

कोविड–19 के पर्यटन उद्योग पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव को कैसे कम किया जाएः

- जीएसटी दरों को कम किया जाए पर्यटन उद्योग के लिए।
- पर्यटन उद्योग से जुड़ी हवाई यात्रा तथा सेवा क्षेत्र के उद्योगों की समस्या को हल करना सर्वप्रमुख होना चाहिए।
- सरकार को रिलीफ फंड देना चाहिए पर्यटन के संबंधित उद्योगों को।
- हेल्थ केयर और इंश्योरेंस देना चाहिए।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023

- सरकार को स्लोगन जारी करना चाहिए जैसे, अपनी यात्रा को स्थगित कर दें, खत्म ना करें। इस बीच सभी पर्यटकों को अपनी यात्रा पूरा करने के लिए कुछ समय और दिया जाए।

निष्कर्ष:

कोविड–19 के कारण हर एक उद्योगों पर प्रभाव पड़ने वाला है पर उनमें से सबसे ज्यादा प्रभाव पर्यटन उद्योगों पर पड़ेगा। क्योंकि प्रयागराज में ज्यादातर पर्यटक जहां से आते हैं वे देश आज के समय कोविड–19 से ग्रसित था और यह पर्यटक जिन राज्यों में जाते हैं वे राज्य भी आज के समय सबसे ज्यादा इस वायरस से ग्रसित है। इसलिए पर्यटक तथा उनसे जुड़े उद्योगों को सबसे ज्यादा नुकसान होने वाला हैं। नुकसान से बचने के लिए जल्द से जल्द कई कदम इन उद्योगों के लिए लेना पड़ेगा अन्यथा इन उद्योगों की हालत आने में कुछ महीने में बहुत खराब हो जाएगी।

संदर्भ :

Cooper, Malcolm. (2006). Japanese Tourism and the SARS Epidemic of 2003. Journal of Travel & Tourism Marketing. 19. 117-131.

World Health Organisation. (2004). Summary of probable SARS cases with onset of illness 1 November 2002 to 31 July 2003. Retrieved 2003

Pine, R. and Mckercher, B. (2004),’’The impact of sars on Hongkong’s tourism industry’’, International journal of contemporary hospitality management, vol.16 no2 pp..139-143

Bhatia, A.K.(2002),Tourism Development, Principles and Practices, Sterling Publishers, New Delhi

up tourism data 2022

Book- Indian tourism 2019(Minister of tourism)

Websites- www.wikipedia.com

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding auther : डॉ0 विंध्याचल सिंह यादव[1] अमित पाण्डेय[2]
Submitted: 27 Dec2022, Revised: 09 Jan2022, Accepted: 18 Jan 2022, Published: February 2023